# सैनिकों की थाली में सजेगा श्रीअन्न, सीएसए के विशेषज्ञ बताएंगे मोटे अनाज का महत्व

## सैन्य अफसरों ने कृषि विशेषज्ञों से साधा संपर्क, शहर से शुरू होगी जागरूकता की पहल

जागरण संवाददाता, कानपुर : सैनिकों की सेहत बेहतर रखने के लिए अब उनकी थाली में मोटे अनाज यानी श्रीअन्न को शामिल करने की तैयारी शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशों के क्रम में सेना के शीर्ष अधिकारियों ने कृषि विज्ञानियों से संपर्क साधना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के शोध निदेशक डा. महक सिंह से सैन्य अधिकारियों ने विस्तृत बातें की हैं। विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ जवानों को श्रीअन्न के पोषण महत्व व उपयोगिता के प्रति जागरूक करेंगे।

सीएसए के शोध निदेशक ने बताया कि जवानों के दैनिक भोजन में मोटे अनाज की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए कृषि विज्ञानी सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित करेंगे। वहीं, कृषि विभाग की ओर से लगाई जाने वाली प्रदर्शनियों में ज्वार, बाजरा, रागी, कंगनी, कोदो, कुटकी, सांवा और चीना जैसे प्राचीन अनाजों के औषधीय गुणों व स्वास्थ्य लाभ की जानकारी दी जाएगी। इसकी शुरुआत जल्द ही कानपुर से होगी।

**सेमिनार और प्रदर्शनी के जरिये सैनिकों को बताएंगे ज्वार, बाजरा, रागी और सांवा के पोषक गुण**



डा. महक सिंह, शोध निदेशक, सीएसए● हाट

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशों के क्रम में अब कृषि विज्ञानी कर रहे हैं सैन्य अधिकारियों से संपर्क, जल्द की जाएगी शुरुआत

**500 से 700 साल पहले खूब होती थी मोटे अनाज की खेती** : डा. महक सिंह ने बताया कि देश में मोटे अनाज की खेती लंबे समय से होती आ रही है। उचित मूल्य न मिलने और जागरूकता की कमी से किसानों ने इसकी खेती घटा दी थी। पोषक तत्वों के चलते इसे सुपरफूड कहा जाता है। अब किसानों में इसकी खेती के प्रति रुचि बढ़ रही है। मोटे अनाज का नियमित सेवन आमजन को बेहतर पोषण देने में मददगार है।

### अलग-अलग अनाजों में पोषक तत्वों की भरमार

- ज्वार : ऊर्जा और फाइबर का प्रमुख स्रोत।
- बाजरा : आयरन, जिंक और फोलिक एसिड से भरपूर।
- रागी : कैल्शियम का समृद्ध प्राकृतिक पादप स्रोत।
- कंगनी : विटामिन बी-1 का स्रोत, तंत्रिका तंत्र के लिए उपयोगी।
- कोदो : एंटीआक्सीडेंट और पालीफेनाल से भरपूर।
- कुटकी : मैग्नीशियम और फास्फोरस का अच्छा स्रोत।
- सांवा : सुपाच्य फाइबर और आयरन की अच्छी मात्रा।
- चीना : प्रोटीन और खनिज तत्वों से युक्त।

(ये पूरी जानकारी सीएसए से दी गई है।)

## मदरसा शिक्षकों पर अधिक खर्च, फिर भी लगातार घट रहे छात्र

आस, कानपुर : मदरसों में पढ़ाई के लिए सरकार शिक्षकों पर कान्वेंट स्कूलों की शिक्षा से अधिक धनराशि खर्च कर रही है, लेकिन फिर भी छात्र घट रहे हैं। इसके पीछे कारण पढ़ाई में अनदेखी व अनियमितता है। प्रत्येक मदरसे में एक शिक्षक पर कक्षा में 30 छात्र जरूरी हैं पर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अमित प्रताप सिंह के निरीक्षण में नई सड़क स्थित मदरसा अहसनुल मदारिस कदीम में 20 छात्रों को आठ शिक्षक पढ़ाते मिले मिले। इसी तरह कहीं दो तो कहीं आठ बच्चे ही मिलें।

राज्य सरकार मदरसा शिक्षकों को 50 हजार रुपये से एक लाख रुपये तक वेतन दे रही है। इस प्रकार, एक छात्र को पढ़ाने में 25 से 50 हजार रुपये तक खर्च हो रहा है। जिन मदरसों में अनियमितताएं मिली हैं, उन्हें नोटिस भेजा गया है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी का कहना है कि निदेशक से भी नियमानुसार कार्रवाई करने की संस्तुति करेंगे।